

हरिभूमि लाइव

बिलासपुर, शुक्रवार 14 फरवरी 2025

Email id- haribhoomibsp@gmail.com
Whats App - 6263190692, 8305922255



वैकेंसी

महिला एवं बाल विकास विभाग में 35 पदों पर होगी भर्ती, यूजीसी नेट का पेपर 28 से



बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य और किशोर न्याय बोर्ड सामाजिक कार्यकर्ता के पदों पर भर्ती होगी। इसके लिए पिछले माह वैकेंसी निकली थी। प्रदेश के विभिन्न जिलों में यह भर्ती की जाएगी। कुल 35 पदों पर भर्ती होगी। इनमें बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष के 6 पद व सदस्य के 18 पद शामिल हैं। जबकि किशोर न्याय बोर्ड में सामाजिक कार्यकर्ता के 11 पद भरे जाएंगे। इन पदों पर आवेदन की अंतिम तिथि 28 फरवरी है।

यूजीसी नेट 28 फरवरी से 2 मार्च तक
सीएसआईआर यूजीसी नेट दिसंबर 2024 की परीक्षाएं 28 फरवरी से 2 मार्च तक होगी। मैथेमेटिकल साइंसेस, केमिकल साइंसेस, लाइफ साइंसेस और फिजिकल साइंसेस आदि विषयों के लिए यह परीक्षा होगी। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से सीबीटी मोड में परीक्षा ली जाएगी। शैड्यूल के अनुसार मैथेमेटिकल साइंसेस व अर्थ-एकमोफेयरिक-ओरियन एंड प्लैनेटरी साइंसेस और केमिकल साइंसेस की परीक्षा 28 फरवरी को होगी। लाइफ साइंसेस की परीक्षा 1 मार्च और फिजिकल साइंसेस का पेपर 2 मार्च को होगा।

आयोजन

महाकुंभ में संतों ने किया द्वारा गिरधर गीता रहस्य का लोकार्पण



बिलासपुर। महाकुंभ प्रयागराज में स्थित दैवी संपद मंडल के विशाल मंच पर गिरधर गीता रहस्य का लोकार्पण किया गया, आध्यात्मिक मंच पर धर्म ध्वजा वाहक जगद्गुरु रामानुजाचार्य, स्वामी श्रीविद्याभास्कर महाराज मौजूद रहे। जगद्गुरु रामानुजाचार्य, स्वामी श्रीविद्याभास्कर महाराज, जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीरामगोपालाचार्य महाराज, जगद्गुरु रामानुजाचार्य, स्वामी श्रीराधवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती महाराज और संस्कृत के ख्यातिलब्ध कुलपति प्रो डॉ रमेश कुमार पाण्डेय और रामकथा के संगीतमय कथावाचक आचार्य रमाकांत मिश्र की गरिमामय उपस्थिति में समारोह संपन्न हुआ।

धर्म-क्षेत्र

मनुष्य कल्याण के लिए गौ सेवा आवश्यक : रसराज

बिलासपुर। वृंदावनधाम श्री मलुक पीठ से आए संत श्री रसराज वृंदावनधाम मलुक पीठ से आए संत का गौ सेवकों ने किया स्वागत। दस महाराज का गौसेवकों ने किया स्वागत किया। इस दौरान रसरज महाराज ने अपने सत्संग, प्रवचन में कहा कि मनुष्य कल्याण के लिए गौ सेवा आवश्यक है। चराचर जगत में केवल गाय ही एक ऐसी मां है जो बिना किसी रूक्षता के सब को अमृत पक्षी दूध पिला कर पोषण करती है। हर मनुष्य गौवंश के इस ऋण से ऋणी है। गौमाता का दूध, दही, घी, गोबर, गोमूत्र, गोरोस, पंचगव्य हर प्रकार से कल्याणकारी है। स्वयं भगवान ने भी गाय की सेवा की है। महाराज श्री ने कहा कि हम मनुष्य भी अपने घर पर एक गाय अवश्य रखें। जिस घर में गाय रहती है वह घर, घर नहीं अपितु सर्व देवमयी मंदिर है। सनातन धर्म के वेद पुराण उपनिषद् में वर्णित है कि गाय के रोम-रोम में देवताओं का वास होता है। गाय को चारा खिलाने मात्रा से देवताओं को भोग लग जाता है।

माघी पूर्णिमा मेला



माघ मास के पूर्णिमा के दिन से सागर, रतनपुर, शिवरीनारायण, बेलपान सहित कई स्थानों में मेला आरंभ हो चुका है। इन सभी जगह के मेले में हर दिन लोग पहुंच कर आस्था की डूबकी लगा रहे हैं। बच्चों से लेकर बड़े सभी झूले का आनंद ले रहे हैं। किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि पूर्णिमा के दिन तीर्थ के जल में मगवान विष्णु का वास होता है।

दूर-दराज से पहुंच रहे ग्रामीण

माघी पूर्णिमा पर लगने वाले बेलपान मेले में ऐतिहासिक नर्मदा कुंड व महादेव मंदिर है। यहां भी श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ रहती है। सभी नर्मदा कुंड में डूबकी लगा कर महादेव भगवान की पूजा में लीन है। बताया जा रहा है कि कुंड एवं मंदिर में व्यापक व्यवस्था की गई है। यहां अन्य देवी-देवताओं का मंदिर भी स्थापित है। माघी पूर्णिमा पर नर्मदा कुंड में स्नान करने के लिए दूर-दराज से ग्रामीण पहुंच रहे हैं।

श्रद्धालु लगा रहे आस्था की डूबकी

बिलासपुर। हिंदू धर्म में माघ महीने की पूर्णिमा तिथि को महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे माघी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन गंगा स्नान, विशेषकर तीर्थराज प्रयाग के संगम में करना शुभ माना जाता है। माघी पूर्णिमा पर गंगा स्नान, दान-पुण्य, भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी की पूजा का भी विशेष महत्व है। यही वजह है कि लोग अन्न, धन, तिल, गुड़ और घी का दान भी किए। पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया गया। स्वयंसेवी संगठनों ने गरीबों को भोजन कराया।



शिवरीनारायण में चित्रोत्पला गंगा की महाआरती करते चापा सेवा संस्थान के सदस्य।

बच्चों से लेकर बड़े ले रहे झूले का आनंद, शिव मंदिरों में लग रही भीड़

5 सौ से अधिक साल से लग रहा मेला

धार्मिक नगरी रतनपुर में मेला 5 सौ से अधिक साल से लगते आ रहा है। इस मेले का ऐतिहासिक महत्व है। इस मेले की पारंपरिक प्रसाद उखर लाई है। कई मिठाइयां और जलेबी की दुकानें भी लगी हैं। प्राचीन परंपरा के अनुरूप लकड़ी के तलवार, चिड़िया गाड़ी यहां के प्रसिद्ध खिलौने हैं। मेले में तरह-तरह के झूला, सर्कस, मोत कुंआ समेत कई मनोरंजन के साधन हैं। जिसका शहर सहित दूर-दराज से पहुंचने वाले लोग आनंद उठा रहे हैं।

स्नान कर की गई महाआरती

ग्राम सागर स्थित सागर मैय्या सरोवर में मेला का आयोजन किया गया है। यहां भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचे एवं तालाब पर स्थित महादेव मंदिर में पूजा कर महाआरती की। धार्मिक मान्यता के अनुसार सागर मैय्या पुण्य सरोवर में स्नान मात्र से ही दाग, खाज एवं खुजली सहित विभिन्न व्याधियां दूर हो जाती हैं। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मेले का आनंद उठाया।

ले रहे नौका विहार का आनंद

माघी पूर्णिमा से शिवरीनारायण का मेला आरंभ हो गया है। पूरे 10 दिन तक चलने वाले इस मेले में नगर सहित आसपास के लोग हर दिन भारी संख्या में पहुंच कर महानदी संगम में डूबकी लगा कर नौका विहार का आनंद ले रहे हैं। यहां स्थित प्रेम मंदिर, शबरी सहित अन्य सभी मंदिर काफी प्रसिद्ध हैं। मेला आने वाले लोग इन मंदिरों में दर्शन पूजन कर सुख-शांति की कामना कर रहे हैं। मंदिर परिसर में एक गोशाला भी है। गायों को प्रसाद खिलाने से नहीं चूक रहे हैं।

प्यार का पर्व वैलेंटाइन डे शुक्रवार 14 फरवरी को उत्साह से मनाया जाएगा। यह दिन प्रेम और रिश्तों का सबसे खास दिन होता है। इस दिन प्रेमी जोड़े एक-दूसरे के लिए खास उपहार, गुलाब और प्यार भरे संदेश देगे। कुछ शादी या रिश्ते को मजबूत करने का वादा करेंगे। इस डे के चलते गुलाब की डिमांड बहुत रहेगी।

प्यार का पर्व वैलेंटाइन डे आज, गुलाब की रहेगी मांग



बिलासपुर। यह दिन संत वैलेंटाइन की याद में मनाया जाता है। उनकी याद में यह दिन प्रेम का प्रतीक बन गया। इसे वैलेंटाइन वीक भी कहते हैं। इस पूरे हफ्ते में अलग-अलग दिनों का विशेष महत्व होता है, जो प्रेम को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त करने का अवसर देते हैं। वहीं इसका हर दिन प्रेमी जोड़ों को एक-दूसरे के करीब लाता है। वैलेंटाइन डे पर प्रेमी, पति-पत्नी, दोस्त एक-दूसरे को अपने प्यार का इजहार करेंगे। ईदगाह चौक स्थित फूल बाजार के विक्रेताओं ने बताया कि वैलेंटाइन डे के चलते इन दिनों लाल, गुलाबी सहित हर कलर के गुलाब की मांग बढ़ गई है। अभी प्रति गुलाब 10 से 15 रूपए में बिक रहा है। डे के दिन शुक्रवार को मांग बढ़ने पर इसकी कीमत बढ़ भी सकती है। गुरुवार को किस डे मनाया गया। यह दिन प्यार और गहरे रिश्ते की निशानी माना जाता है।

प्रेमी जोड़े एक-दूसरे को खास उपहार देकर देंगे प्यार भरे संदेश



वैलेंटाइन वीक का युवा वर्ग ने लिया आनंद

वैलेंटाइन वीक का युवा वर्ग ने जमकर आनंद लिया। 7 फरवरी को रोज डे से वीक आरंभ हुआ। इस दिन प्रेमी जोड़ों ने प्यार और भावनाओं को व्यक्त करने गुलाब का आदान-प्रदान किया। जिसमें लाल गुलाब प्रेम, पीला गुलाब मित्रता, सफेद गुलाब शांति और गुलाबी गुलाब आभार को दर्शाता है। दूसरे दिन 8 फरवरी को प्रपोज डे मनाया गया। यह दिन उन लोगों के लिए खास रहा जो अपने प्रियजनों को अपने प्यार का इजहार करना चाहते हैं। इस दिन शादी के लिए भी प्रपोज किया गया। तीसरे दिन 9 फरवरी को चॉकलेट डे प्यार में मिठास घोलने के लिए मनाया गया। चॉकलेट खुशी और स्नेह का प्रतीक माना जाता है। युवा वर्ग ने अपने दोस्तों को चॉकलेट खिला कर डे का आनंद लिया। 10 फरवरी को टेडी डे पर एक-दूसरे को टेडी बिबर भिजवा दिया गया। 11 फरवरी को प्रॉमिस डे पर एक-दूसरे से सच्चे प्रेम, ईमानदारी और विश्वास की कसम खाए। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए यह दिन बेहद खास होता है। छठे दिन 12 फरवरी को हग डे मनाया गया। हग डे प्यार, सुरक्षा का अहसास कराता है। यह दिन बताता है कि एक स्नेह भरी झांपी से हर दर्द मिट सकता है।



फाल्गुन में रहेगी त्यौहारों की धूम

बिलासपुर। फाल्गुन माह गुरुवार से आरंभ हो गया है। इस महीने में महाशिवरात्रि, होली और फाल्गुनी पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्व पड़ेगा। जिनका धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। शाखाओं में इस मास को मोक्षदायी और पुण्यदायक माना गया है। इससे व्यक्तित्व को सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उत्थान की प्राप्ति होती है। फाल्गुन मास वर्ष का अंतिम महीना होता है, जो आध्यात्मिक साधना, भक्ति और उत्सवों का माह माना जाता है। यह मास विशेष रूप से भगवान शिव, श्री विष्णु के सभी अवतारों और चंद्रदेव की पूजा के लिए श्रेष्ठ बताया गया है। इस दौरान महाशिवरात्रि, होली और फाल्गुनी पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्व आते हैं, इस माह का सम्पन्न 14 मार्च को धुलंडी के दिन होगा।

लगेगा चांटीडीह मेला

फाल्गुन मास में महाशिवरात्रि का पर्व विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। इस दिन शहर के चांटीडीह में भव्य मेला लगेगा। लोग मेला पहुंच कर वहां स्थित शिवलियों में जाकर पूजा कर जल चढ़ाएंगे। व्रत रख कर रात्रि जागरण और जलाभिषेक करेंगे। शिवपूजा के अनुसार इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था।

स्पोर्ट्स न्यूज

तीन दिवसीय स्पोर्ट्स में पहले दिन कबड्डी खो- खो, क्रिकेट, फुटबॉल का आयोजन



मुकाबले 1 गोल से कमप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विजेता बना। खो खो बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला हरेकवर्गिक एंड इलेक्ट्रिकल्स के मध्य खेला गया, जिसमें 12-9 के मुकाबले 3 अंकों से कमप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विजेता बना। फुटबॉल में फाइनल मुकाबला कमप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विरुद्ध इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के मध्य खेला गया, जिसमें 3-2 के

14 अंकों से बी फार्मसी विजेता

कबड्डी बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला बी फार्मसी अंतिम सेमेस्टर विरुद्ध बी फार्मसी तृतीय सेमेस्टर के बीच खेला गया, जिसमें 34-20 के मुकाबले 14 अंकों से बी फार्मसी अंतिम सेमेस्टर विजेता व तीसरा सेमेस्टर उपविजेता बनी। क्रिकेट का फाइनल मुकाबला बी फार्मसी विरुद्ध डी फार्मसी के मध्य खेला गया, जिसमें बी फार्मसी विजेता बनी, बी फार्मसी ने निश्चित 6 ओवर के मैच में 3 विकेट पर 68 रन बनाये 69 के लक्ष्य को डी फार्मसी की टीम 56 रन ही बना पाई, इस तरह से 12 रन से बी फार्मसी विजेता बनी।



एसबीए विभाग रहा उसी प्रकार फार्मसी विभाग के छात्र व छात्राओं के लिए कबड्डी और क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस स्पोर्ट्स को सफल बनाने के लिए सभी विभाग प्रमुख, एस राठौर, विष्णु सोनी, पाल सर, डॉक्टर भूमिका दास, असिस्टेंट प्रोफेसर कामेश चंद्रकार, आशुतोष जायसवाल, प्रशांत राजपूत आदि का विशेष सहयोग है।

ऑल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता में शहर के हॉकी खिलाड़ी धनीराम का चयन

अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज हॉकी प्रतियोगिता 28 फरवरी तक डीएस एस्टेट्स हॉकी मैदान आंध्र प्रदेश में आयोजित हो रही है, प्रतियोगिता में देशभर के सभी प्रदेशों के राज्य सचिवालयों की टीमों में भाग लेगी बेहतर प्रदर्शन के आधार पर इस प्रतियोगिता में लिगियाडीह स्कूल के व्यायाम अनुदेशक के पद पर कार्यरत धनीराम यादव का प्रदेश की टीम में चयनित होने पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. मिश्रा, हेडमास्टर शैलेंद्र शर्मा, गौरव मंगरुलकर एवं हॉकी छात्रासंगद के महासचिव डॉ. मनीष श्रीवास्तव हॉकी, अध्यक्ष रोहित बाजपेई, अमिताभ मानिकपुरी रवि पारेख, जावेद अली खान सिंह एवं शहर के सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।



38 वें राष्ट्रीय खेल में मिला कांस्य पदक, 16 मैडल जीते



38वीं राष्ट्रीय खेल वन चेतना इंडोर स्टेडियम चकरपुर में मलखब प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मलखब में छग के खिलाड़ियों ने अभी तक कुल 5 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक एवं 9 कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक प्राप्त किए हैं। प्रथम दिन के खेल में रोप व पोल मलखब पर छात्रासंगद की महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए 80.05 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए छात्रासंगद के लिए 16वां कांस्य पदक जीता, महिला वर्ग में कु. संताय पोटाई, मोनिका पोटाई, दुर्गाश्वरी कुमोटी, अनिता गोटा, सरिता पोय, शिक्षा बिनकर शामिल हैं। टीम के प्रशिक्षक मनोज प्रसाद, प्रेमचंद शुक्ला, एवं प्रबंधक शांति साहू हैं। 38वें राष्ट्रीय खेल में पदक प्राप्त रोप व पोल मलखब की महिला खिलाड़ियों को छात्रासंगद ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीयों एवं राज्य खेल संघ के पदाधिकारियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

